
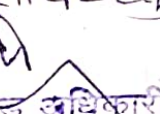
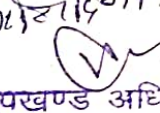


फर्द अहकाम

जयपुर अधिकाारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर) लागने
 केलाइ बनाम राजेन्द्र कुमार

वर्ष 58/2024 : _____ / 20 _____

माझा नाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
14	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील उमयपक 350 प्रतिवादी सं. 7 की ड्रॉट ले पलाव दावा पेश किया गया. शाखमंडल पत्रावली बहस डा. 0-7 RII CPC हेतु दिनांक 26/6/24 को पेश है।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर) </p>	
24	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील उमयपक 350 वास्तु बहस 07 RII CPC हेतु दिनांक 27/6/24 को पेश है।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर) </p>	
14	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील उमयपक 350 बहस शाखमंडल 07 RII CPC हेतु दिनांक 27/6/24 को पत्रावली बहस पेश है।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर) </p>	
31/7/24	<p>पत्रावली पेश हुई। पीओ साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 8/8/24 को पेश हों।</p>	
8/24	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील उमयपक 350 वकील प्राची/प्रति. सं. 1 ने अपनी बहस में शाखमंडल 07 RII CPC में अंकित तथ्यों की दोषाति हेतु शाखमंडल 07 RII CPC को स्वीकार किया जाकर वादी का वाद को स्वारिज किया जावे हेतु निवेदन - लगाता</p>	

2



फर्द अहकाम

न्यायालय _____

केलारा बनाम राजेश्वर

मुकदमा संख्या/वर्ष 58/2024 / 20

क्र०स०	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	8/8/24	<p>किया गया है। चकील अर्थात् वाद/अण ने अहकाम, वदर में जवाब प्रपत्र 07R11 CPC में अंकित, को दोहराते हुए प्रार्थना/प्रतिकर्षी का प्रपत्र 07R11 को स्वारेण किमे जाने हेतु निवेदन किया गया। पत्रावली, शपथ रिकार्ड, प्रपत्र 07R11 CPC व जवाब प्रपत्र 07R11 CPC का आधोपान अंकित करने व वकील उभयपक्षों को वदर का मनन करने पर हम इस सिद्धि पर पहुँचे हैं कि वाद आरामो ए० न० 55 के विभाजन के संबंध में प्रति सं. 1 द्वारा एक अन्य पूर्व वाद संख्या 25/2023 उक्त राजेश्वर बनाम आयुक्त, जयपुर में दिनांक 24/11/24 को प्रारम्भिक डिक्ली फारेल को गड्डी लउपरान्त वाद मे कुरे जात रिपोर्ट प्राप्त होने पर वाद में अन्तिम रूप से दिनांक 15/3/24 को निर्णय व डिक्ली किया जा चुका है वाद/अण अहकाम नं. 55 के विभाजन के संबंध में उपरोक्त पूर्व वाद में अन्तिम रूप से निर्णय व डिक्ली पारल होने के उपरान्त पुनः विभाजन वाद प्रस्तुत किया जाना विधि सम्मत नहीं है। अतः वाद पूर्व न्याय के सिद्धान्त के आधार पर वाद बौधु लो है तथा वादी का वाद स्वारेण किमे जाने योग्य है अतः प्रार्थी। प्रतिवादी का प्रार्थना पत्र 07R11 CPC स्वीकार किया जाकर वादी का वाद वास्तु विभाजन आरामो ए० न० 55 रकबा 1.12 हे वकील गधपतपुरा तहसील, सांगानेर को स्वारेण किया जा रहा है। पचा डिक्ली प्रपत्र से तैयार कर फेरा करे। पचा वामो न्याय से कम लेकर वाद तककील दालिख रफ्त हो सुनाया गया।</p> <p>उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)</p>

अण्डरटेकिंग

न्यायालय माननीय उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय सांगानेर

केलारा व अन्य बनाम

राजेश्वर बनाम 12/8/24

न्यायालय माननीय उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय सांगानेर

केलारा

राजेश्वर

राजेश्वर बनाम 12/8/24

के अधिवक्ता का नाम

हेमचंद्र चौरव / राजेश्वर

के अधिवक्ता का मोबाईल नम्बर

9414076125

सत्यापन

केलारा

पुत्र

राजेश्वर

राजेश्वर बनाम 12/8/24

जयपुर

अण्डरटेकिंग देता हूँ कि भविष्य में उक्त विवरण

भी प्रकार का परिवर्तन करने पर न्यायालय को सूचित कर दूँगा।

21/11/24

हस्ताक्षर

केलारा राजेश्वर